Title: Need to accord Central University status to Allahabad University.

श्री धर्म राज सिंह पटेल (फूलपुर) : महोदय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय भारत के सबसे पुराने विश्वविद्यालयों में से एक है। वर्ा 1887 में इसकी स्थापना की गई थी और इसे 1904 में इंडियन युनिवर्सिटी एक्ट के अंतर्गत लाया गया। उस समय इलाहाबाद विश्वविद्यालय की कक्षाएं विश्वविद्यालय परिसर में ही नहीं, बल्कि हालैन्ड हाल, के.पी.यू.सी., एवं हिन्दू हॉस्टल में भी आयोजित होती थीं। विश्वविद्यालय का परिसर केवल विश्विद्यालय तक ही सीमित नहीं था, बल्कि अन्य ऐसी इकाइयों तक फैला था जिनका प्रबंध निजी ट्रस्ट द्वारा किया जा रहा था। इलाहाबाद विश्वविद्यालय अपने संयुक्त महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के माध्यम से, उच्च शिक्षा को समाज के बड़े वर्गों तक पहुँचाने का काम करता रहा है। इसके साथ ही सहयुक्त महाविद्यालय के प्राध्यापक अपनी कक्षाएं पढ़ाने के साथ-साथ शोध कार्य में भी संलग्न हैं। वर्तमान समय में 10 महाविद्यालय इलाहाबाद विश्वविद्यालय से संबंधित हैं। इलाहाबाद विश्वविद्यालय से इस देश के प्रधान मंत्री, विभिन्न राज्यों के मुख्य मंत्री, उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश, विभिन्न देशों के राजदूत तथा हज़ारों की संख्या में आई.पी.एस. और आई.ए.एस. शिक्षा प्राप्त कर चुके हैं, परन्तु अभी तक इस विश्वविद्यालय को केन्द्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा नहीं दिया गया है।

मैं भारत सरकार से मांग करता हूँ कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय एवं उससे संबंधित महाविद्यालय की पुनर्संरचना करके दिल्ली विश्वविद्यालय के आधार पर बहुपरिसरीय अवधारणा को अपनाते हुए इलाहाबाद विश्वविद्यालय को केन्द्रीय विश्वविद्यालय घोाित किया जाए।